वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश



समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांक: 7 अक्टूबर 2026

प्रस्तुति: मीडिया सेल

दैनिक जागरण

विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा दें

कुलपति ने विज्ञान संकाय के विभिन्न विभागों की प्रगति व भविष्य की कार्ययोजना की समीक्षा की

विज्ञान संकाय की प्रगति को लेकर दिए दिशा-निर्देश

संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, शोध कार्यों व उपलब्धियों की जानकारी दी



कार्ययोजना की समीक्षा के दौरान मौजूद कुलपति व अन्य.



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करते कुलपति आरके सिंह.

जौनपुर (6 अक्टूबर): संकाय भवन में संचालित विज्ञान संकाय में शैक्षणिक, शोध एवं औद्योगिक विकास को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने विज्ञान संकाय के विभिन्न विभागों की प्रगति एवं भविष्य की कार्ययोजना की समीक्षा की.

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने कुलपति का स्वागत किया तथा विज्ञान संकाय एवं विभिन्न विभागों की प्रगति आख्या प्रस्तुत की. उन्होंने विभागों में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, शोध कार्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी.इस अवसर पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विभिन्न विभागों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि विभागों को शिक्षण एवं शोध के साथ-साथ उद्योगों से समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं व्यावहारिक शिक्षा उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देना चाहिए.

एमओयू करने पर जोर दिया

कुलपति ने बोर्ड ऑफ स्टडीज में उद्योग जगत के विशेषज्ञों को शामिल करने तथा औद्योगिक संस्थानों के साथ एमओयू करने पर जोर दिया. उन्होंने प्रत्येक विभाग को आगामी 10 वर्षों में विभाग की उत्तरोत्तर वृद्धि एवं विकास के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए. कुलपति ने विज्ञान संकाय के विभागों को शोध कार्यों को बढ़ावा देने, अधिक से अधिक शोध परियोजनाएं एवं पेटेंट विकसित करने तथा विद्यार्थियों को नई तकनीकों एवं औद्योगिक गतिविधियों से जोड़ने के लिए औद्योगिक भ्रमण आयोजित करने के निर्देश दिए. प्रत्येक विभाग अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए ठोस एवं परिणामपरक कार्ययोजना तैयार करे. बैठक में प्रो. रामनारायण, प्रोफेसर राजेश शर्मा, डॉ. मनीष गुप्ता, प्रोफेसर प्रमोद यादव, प्रोफेसर गिरधर मिश्र, डॉ. विवेक पाण्डेय, डॉ. ऋषि श्रीवास्तव, डॉ. राधिका, डॉ. अमित गुप्त, डॉ. विपिन कुमार एवं डॉ. एस.पी. तिवारी सहित विज्ञान संकाय के शिक्षक मौजूद रहे.

मुख्यमंत्री से कुलपति ने की शिष्टाचार भेंट

जौनपुर. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की. इस अवसर पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री जी को विश्वविद्यालय से जुड़े विभिन्न शैक्षणिक एवं विकासात्मक विषयों के बारे में बताया . उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, उपलब्धियों तथा भविष्य की योजनाओं की जानकारी भी दी .मुख्यमंत्री जी ने विश्वविद्यालय की प्रगति एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं.

साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में तकनीकी दक्षता विकसित करें छात्र: प्रो.राकेश

सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियों पर हुई चर्चा



जौनपुर (6 अक्टूबर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 'सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया. कार्यशाला में मुख्य विषय विशेषज्ञ के रूप में देश के प्रख्यात साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर ने विद्यार्थियों को सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट के विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी.

भविष्य की अपार संभावनाएं

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में साइबर सुरक्षा और सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के क्षेत्र में भविष्य की अपार संभावनाएं हैं. उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया.

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की रुचि और सहभागिता इसी प्रकार बनी रही तो विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में और भी अधिक प्रायोगिक एवं इंडस्ट्री ओरिएंटेड कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा के साथ व्यावहारिक तकनीकी ज्ञान प्राप्त हो सके. तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर ने विद्यार्थियों को प्रोग्रामिंग की मूलभूत अवधारणाओं से लेकर सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के तकनीकी पक्ष को सरल एवं व्यावहारिक तरीके से समझाया.

डेवलपमेंट की ली जानकारी

सत्र की प्रमुख कड़ी हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग रही. डॉ. गिरधर ने विद्यार्थियों को लाइव प्रोग्रामिंग के माध्यम से वर्चुअल मशीन सेटअप करने तथा कोड में आवश्यक सुरक्षा मानकों को लागू करने का प्रशिक्षण दिया.

इस दौरान विद्यार्थियों ने स्वयं तकनीकी गतिविधियों में भाग लेते हुए सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियों को समझा. कार्यशाला में 90 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. कार्यशाला का आयोजन इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है. कार्यक्रम में प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. राजकुमार, , डॉ. दिव्येंदु मिश्र, प्रियंका जायसवाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे.

अमर उजाला

राज्यस्तरीय भाषण प्रतियोगिता में शामिल होंगे पूविवि के तीन छात्र

जौनपुर। लखनऊ में सात अक्तूबर को आयोजित मेरे सपनों का भारत राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के तीन छात्र प्रतिभाग करेंगे। प्रतियोगिता में प्रतिभाग लेने के लिए मंगलवार को छात्र लखनऊ के लिए रवाना हुए।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित विश्वविद्यालय स्तर पर भाषण प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय परिसर के छात्र अभिनव कीर्ति पांडेय ने प्रथम स्थान हासिल किया था।

पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय केराकत की छात्रा राधा गिरी द्वितीय और डॉ. राम मनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय मुड़ीतागंज के छात्र मनीष को तृतीय स्थान मिला था। संवाद

SHOPPING MART

अमर उजाला

अमर उजाला | जौनपुर | amarujala.com



पूविवि के छात्र कोडिंग के साथ सीख रहे साइबर सुरक्षा का हुनर

सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट कार्यशाला में विद्यार्थियों को दिया हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण

संवाद न्यूज एजेंसी

मल्हनी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट विषय पर आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन विद्यार्थियों को सुरक्षित एप्लीकेशन निर्माण की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर सुरक्षा और सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट के क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए रोजगार और कैरिअर की व्यापक संभावनाएं हैं। विद्यार्थियों को इन क्षेत्रों में तकनीकी दक्षता विकसित करने के साथ व्यावहारिक ज्ञान हासिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की रुचि और सहभागिता को देखते हुए विश्वविद्यालय भविष्य में और अधिक प्रायोगिक एवं उद्योग आधारित कार्यशालाएं आयोजित करेगा।



कुलपति सभागार में ई-साक्ष्य, डीपीडीपी अधिनियम और डिजिटल सुरक्षा पर विशेष सत्र में बोलते साइबर विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर। पूविवि

कार्यशाला में साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने विद्यार्थियों को सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। तकनीकी सत्र में डॉ. अनुप गिरधर ने प्रोग्रामिंग की मूलभूत अवधारणाओं से लेकर सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट के तकनीकी पक्षों को सरल और व्यावहारिक तरीके से समझाया। उन्होंने सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट आर्किटेक्चर के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए सुरक्षित और मजबूत एप्लीकेशन तैयार करने के लिए आवश्यक सुरक्षा मानकों की जानकारी दी। आयोजन इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल के मार्गदर्शन में हुआ। इस दौरान प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. राजकुमार, डॉ. दिव्येंदु मिश्र, प्रियंका जायसवाल रहे।

दस वर्ष की कार्ययोजना व 2047 तक के विकास का तैयार होगा रोडमैप

मल्हनी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विज्ञान संकाय के विभागों को शिक्षण और शोध के साथ उद्योग जगत से समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं व्यावहारिक शिक्षा देने के निर्देश दिए। दस वर्ष की कार्ययोजना और 2047 तक के विकास का रोडमैप तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विज्ञान संकाय को उत्कृष्टता की ओर ले जाने के लिए नवाचार, शोध, उद्योग-अकादमिक सहयोग और आत्मनिर्भरता पर विशेष ध्यान देना होगा। संकाय भवन में विज्ञान संकाय की शैक्षणिक, शोध एवं औद्योगिक प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में कुलपति ने विभिन्न विभागों की उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजना की जानकारी ली।

- संकायाध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने कुलपति का स्वागत करते हुए संकाय एवं विभागों की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। इसमें शैक्षणिक गतिविधियों, शोध कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी दी गई। कुलपति ने विभागों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उद्योगों के साथ एमओयू करने और बोर्ड ऑफ स्टडीज में उद्योग जगत के विशेषज्ञों को शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने प्रत्येक विभाग को अगले 10 वर्षों में विकास एवं प्रगति के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। संवाद

हिंदुस्तान

प्रतियोगिता | रंगारंग कार्यक्रम के साथ होगा शुभारंभ, कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने लिया जायजा, 14 को पुरस्कार वितरण क्रिकेटर सुरेश रैना

एकलव्य स्टेडियम में जेपीएल कल से, दस टीमें शामिल

जौनपुर, संवाददाता। जौनपुर प्रीमियर लीग (जेपीएल) के आयोजन की तैयारियों को लेकर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय प्रशासन ने गतिविधियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने एकलव्य स्टेडियम का स्थलीय निरीक्षण कर लीग की तैयारियों का जायजा लिया।

उन्होंने क्रिकेट मैदान, पिच, दर्शकों के बैठने, सुरक्षा, पार्किंग और प्रवेश-निकास व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यहां आठ अक्तूबर से आयोजन होना है, जिसमें कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी। कुलपति प्रो. राकेश सिंह एकलव्य स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने ग्राउंड का निरीक्षण करते हुए पिच को बेहतर ढंग से तैयार करने के निर्देश दिए। मैदान की साफ-सफाई, समतलीकरण और मैच के लिए जरूरी व्यवस्थाओं को समय से पूरा कराने का निर्देश दिया। जेपीएल के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी कुलपति ने विशेष निर्देश दिए। उन्होंने स्टेडियम में पर्याप्त पुलिस बल तैनात कराने को कहा। पुलिसकर्मी स्टेडियम परिसर से लेकर विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार तक सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। इसके अलावा स्टेडियम के अंदर पर्याप्त संख्या में वालेंटियर तैनात करने के निर्देश दिए गए, ताकि दर्शकों और खिलाड़ियों को किसी तरह की परेशानी न हो। पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी जानकारी ली। उन्होंने वाहनों के लिए व्यवस्थित पार्किंग स्थल निर्धारित करने तथा स्टेडियम में दर्शकों की आवाजाही को सुगम बनाने के निर्देश दिए। प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग व्यवस्था रखने तथा गेट पर पर्याप्त कर्मचारियों और वालंटियर की तैनाती पर भी चर्चा हुई। कहा कि जेपीएल के आयोजन में आने वाले खिलाड़ियों, दर्शकों और अतिथियों को बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएं।



पीयू के एकलव्य स्टेडियम का निरीक्षण करते हुए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह।

कब से कब तक होगा मैच

जौनपुर प्रीमियर लीग के अध्यक्ष पूर्व आईएएस अभिषेक सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सात अक्तूबर यानी बुधवार को इंडोर स्टेडियम पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में होगा। यहां सभी टीमों के कप्तानों की मौजूदगी में जर्सी का अनावरण किया जाएगा। कुल नौ विधानसभा क्षेत्रों से नौ टीमें और पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम शामिल होगी। आठ अक्तूबर को पहला मैच खेला जाएगा। 12 अक्तूबर तक लीग मैच होंगे। इसके बाद 13 अक्तूबर को सेमीफाइनल और 14 अक्तूबर को फाइनल मैच खेला जाएगा। फाइनल मैच में पुरस्कार वितरण के दौरान पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना आएंगे।

RKTV

हिंदुस्तान

साइबर क्राइम से सुरक्षा के दिए टिप्स

जौनपुर, संवाददाता। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सम्मेलन कक्ष में मंगलवार शाम साइबर अपराध और डिजिटल सुरक्षा पर कार्यशाला हुई। इसमें विधि विभाग के शिक्षकों और विद्यार्थियों को साइबर अपराध, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, डेटा गोपनीयता और नए कानूनों की जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता साइबर विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने कहा कि साइबर ठगी होने पर घबराने के बजाय तत्काल 1930 पर शिकायत करनी चाहिए। शुरुआती समय में शिकायत मिलने पर रकम को रोकने या फ्रीज कराने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। उन्होंने फर्जी बैंक अधिकारी बनकर फोन करने वालों, संदिग्ध संदेश, नकली क्यूआर कोड और ओटीपी मांगने वालों से सावधान रहने की सलाह दी। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से मिले साक्ष्यों को सुरक्षित रखने और उनके प्रमाणीकरण की प्रक्रिया भी समझाई। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए उन्होंने मोबाइल नंबर, बैंक विवरण, पहचान-पत्र, फोटो और पासवर्ड जैसी निजी जानकारी साझा करते समय सावधानी बरतने को कहा। मजबूत पासवर्ड और दो-स्तरीय सुरक्षा अपनाने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि बैंक या सरकारी संस्था फोन पर ओटीपी, पिन या पासवर्ड नहीं मांगती। कार्यक्रम में डीटी लॉ इंस्टीट्यूट के प्रमुख एवं निदेशक प्रो. विनोद कुमार, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. गिरधर मिश्र, विधि विभाग के शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे पीयू के प्रतिभागी

जौनपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत एक अक्तूबर 2026 को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर विश्वविद्यालय स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय परिसर के छात्र अभिनव कीर्ति पांडेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय, केराकत (जौनपुर) की छात्रा राधा गिरी ने द्वितीय स्थान और डॉ. राम मनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय, मुड़ीतागंज (जौनपुर) के छात्र मनीष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागी 7 अक्टूबर 2026 को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के केंद्रीय पुस्तकालय स्थित सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

आज

राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे पीयू के प्रतिभागी

लखनऊ में आयोजित होगी राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता

सरायख्वाजा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 1 अक्टूबर 2026 को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में मेरे सपनों का भारत विषय पर विश्वविद्यालय स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय परिसर के छात्र अभिनव कीर्ति पांडेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय, केराकत (जौनपुर) की छात्रा राधा गिरी ने द्वितीय स्थान और डॉ. राम मनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय, मुड़ीतागंज (जौनपुर) के छात्र मनीष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागी 7 अक्टूबर 2026 को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के केंद्रीय पुस्तकालय स्थित सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की ओर से शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में डॉ. शशिकांत यादव एवं डॉ. उदयभान यादव भी उपस्थित रहेंगे। कुलपति ने छात्रों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया। इस अवसर पर प्रो प्रमोद कुमार यादव, प्रो. अजय प्रताप सिंह, कुलसचिव, वित्त अधिकारी विश्वविद्यालय ने भी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें अपनी शुभकामनाएं प्रेषित किया।

आज

साइबर ठगी में 'गोल्डन ऑवर' का महत्व-डा.अनुप

१९३० पर तुरंत शिकायत से बच सकता है पैसा

पीयू में ई-साक्ष्य, डीपीडीपी अधिनियम और डिजिटल सुरक्षा पर विशेष सत्र आयोजित



सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सम्मेलन कक्ष में साइबर अपराध और डिजिटल सुरक्षा विषय पर महत्वपूर्ण बैठक-सह-कार्यशाला का आयोजन मंगलवार की शाम को किया गया। कुलपति के संरक्षण में आयोजित इस विशेषज्ञ सत्र में विधि विभाग के शिक्षकों और विद्यार्थियों को साइबर अपराध, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, डेटा गोपनीयता तथा नए कानूनों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रख्यात साइबर विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरधर ने नए आपराधिक कानूनों में हुए परिवर्तनों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 की धारा 63(4)(ग) के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को प्रमाणित करने के लिए प्रमाण-पत्र की अनिवार्यता और हैश वैल्यू के माध्यम से साक्ष्यों की प्रामाणिकता सिद्ध करने की प्रक्रिया को सरल उदाहरणों के साथ समझाया। डॉ. अनुप ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और डिजिटल माध्यमों से प्राप्त साक्ष्यों को सुरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है। साक्ष्य के साथ छेड़छाड़ न हो और उसकी मूल विश्वसनीयता बनी रहे, इसके लिए उचित प्रमाणन और तकनीकी प्रक्रिया का पालन जरूरी है। उन्होंने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा कि डिजिटल युग में व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। मोबाइल नंबर, बैंक विवरण, पहचान-पत्र, पासवर्ड, फोटो और अन्य निजी जानकारी साझा करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों से मजबूत पासवर्ड, दो-स्तरीय सुरक्षा तथा संदिग्ध लिंक से बचने की अपील की। साइबर वित्तीय धोखाधड़ी पर चर्चा करते हुए डॉ. गिरधर ने कहा कि ठगी होने पर घबराने के बजाय तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि वित्तीय धोखाधड़ी के बाद शुरुआती समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। पीड़ित व्यक्ति को तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए। समय पर शिकायत मिलने पर संबंधित राशि को रोकने या फ्रीज कराने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है, जिससे बड़ी आर्थिक क्षति से बचाव संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों को अज्ञात फोन कॉल, संदिग्ध संदेश, फर्जी बैंक अधिकारी, नकली क्यूआर कोड, ओटीपी मांगने वाले व्यक्तियों और सामाजिक माध्यमों पर भेजे जाने वाले संदिग्ध लिंक से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बैंक या कोई सरकारी संस्था फोन पर ओटीपी, पिन या पासवर्ड नहीं मांगती। कार्यक्रम के अंत में डीटी लॉ इंस्टीट्यूट के प्रमुख एवं निदेशक प्रो. विनोद कुमार ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. गिरधर मिश्रा, विधि विभाग के समस्त सहायक प्राध्यापक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कौटिल्य का भारत

दूध से पनीर तक संरक्षण की वैज्ञानिक तकनीक जरूरी : प्रो. सुधीर सिंह

दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों के संरक्षण पर विशेष व्याख्यान आयोजित

कौटिल्य का भारत

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में संचालित फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर 'दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों के संरक्षण' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के पूर्व वैज्ञानिक प्रो. सुधीर सिंह ने विद्यार्थियों को दुग्ध एवं विभिन्न दुग्ध उत्पादों के संरक्षण की वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मानव द्वारा दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों का बड़ी मात्रा में सेवन किया जाता है। ऐसे में इनकी गुणवत्ता, पोषणात्मक मूल्य और खाद्य सुरक्षा



बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। दूध, पनीर के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाना जरूरी है। प्रो. सुधीर सिंह ने कहा कि दुग्ध अत्यधिक शीघ्र खराब होने वाला खाद्य पदार्थ है। इसकी गुणवत्ता, पोषणात्मक मूल्य एवं सुरक्षित शेल्फ लाइफ बनाए रखने के लिए उचित प्रसंस्करण, ताप उपचार, शीत भंडारण, स्वच्छता और प्रभावी पैकेजिंग अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।उन्होंने विशेष रूप से दूध, पनीर और बटर के संरक्षण की तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की। पनीर के संदर्भ में उन्होंने इसके निर्माण, नमी नियंत्रण, स्वच्छता, पैकेजिंग, शीत भंडारण तथा गुणवत्ता बनाए रखने के उपायों की जानकारी दी। वहीं बटर के संरक्षण में तापमान नियंत्रण, उचित पैकेजिंग, ऑक्सीकरण से सुरक्षा तथा भंडारण की उपयुक्त परिस्थितियों के महत्व को समझाया।उन्होंने विद्यार्थियों को बटर, क्रीम, मिल्क पाउडर सहित अन्य दुग्ध उत्पादों के संरक्षण एवं उनकी शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए अपनाई जाने वाली आधुनिक तकनीकों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक संरक्षण तकनीकों का उपयोग न केवल खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि दुग्ध उत्पादों के मूल्यवर्धन और उनके व्यावसायिक उपयोग की संभावनाओं को भी बढ़ाता है। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने दूध, पनीर, बटर एवं अन्य दुग्ध उत्पादों के प्रसंस्करण और संरक्षण से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका प्रो. सुधीर सिंह ने विस्तारपूर्वक समाधान किया।कार्यक्रम के अंत में संकायाध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने प्रो. सुधीर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

कौटिल्य का भारत

साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में तकनीकी दक्षता विकसित करें विद्यार्थी : प्रो. राकेश कुमार सिंह

सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियां पर हुई चर्चा

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 'सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यशाला में मुख्य विषय विशेषज्ञ के रूप में देश के प्रख्यात साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर ने विद्यार्थियों को सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट के विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में साइबर सुरक्षा और सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के क्षेत्र में भविष्य की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की रुचि और सहभागिता इसी प्रकार बनी रही तो विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में और भी अधिक प्रायोगिक एवं इंडस्ट्री ओरिएंटेड कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा के साथ व्यावहारिक तकनीकी ज्ञान प्राप्त हो सके। तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर ने विद्यार्थियों को प्रोग्रामिंग की मूलभूत अवधारणाओं से लेकर सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के तकनीकी पक्ष को सरल एवं व्यावहारिक तरीके से समझाया। उन्होंने सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट आर्किटेक्चर के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि सुरक्षित और मजबूत एप्लीकेशन के निर्माण में किन सुरक्षा मानकों का ध्यान रखना आवश्यक है। सत्र की प्रमुख कड़ी हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग रही। डॉ. गिरधर ने विद्यार्थियों को लाइव प्रोग्रामिंग के माध्यम से वर्चुअल मशीन सेटअप करने तथा कोड में आवश्यक सुरक्षा मानकों को लागू करने का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्वयं तकनीकी गतिविधियों में भाग लेते हुए सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियों को समझा। कार्यशाला में 90 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का आयोजन इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. राजकुमार, , डॉ. दिव्येंदु मिश्र, प्रियंका जायसवाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

जनसंदेश टाइम्स

दूध से पनीर तक संरक्षण की वैज्ञानिक तकनीक जरूरी

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में संचालित फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों के संरक्षण विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के पूर्व वैज्ञानिक प्रो. सुधीर सिंह ने विद्यार्थियों को दुग्ध एवं विभिन्न दुग्ध उत्पादों के संरक्षण की वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मानव द्वारा दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों का बड़ी मात्रा में सेवन किया जाता है। ऐसे में इनकी गुणवत्ता, पोषणात्मक मूल्य और खाद्य सुरक्षा बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। दूध, पनीर के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाना जरूरी है।

प्रो. सुधीर सिंह ने कहा कि दुग्ध अत्यधिक शीघ्र खराब होने वाला खाद्य पदार्थ है। इसकी गुणवत्ता, पोषणात्मक मूल्य एवं सुरक्षित शेल्फ लाइफ बनाए रखने के लिए उचित प्रसंस्करण, ताप उपचार, शीत भंडारण, स्वच्छता और प्रभावी पैकेजिंग अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विशेष रूप से दूध, पनीर और बटर के संरक्षण की तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की। पनीर के संदर्भ में उन्होंने इसके निर्माण, नमी नियंत्रण, स्वच्छता, पैकेजिंग, शीत भंडारण तथा गुणवत्ता बनाए रखने के उपायों की जानकारी दी। वहीं बटर के संरक्षण में तापमान नियंत्रण, उचित पैकेजिंग, ऑक्सीकरण से सुरक्षा तथा भंडारण की उपयुक्त परिस्थितियों के महत्व को समझाया।उन्होंने विद्यार्थियों को बटर, क्रीम, मिल्क पाउडर सहित अन्य दुग्ध उत्पादों के संरक्षण एवं उनकी शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए अपनाई जाने वाली आधुनिक तकनीकों से भी अवगत कराया। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने दूध, पनीर, बटर एवं अन्य दुग्ध उत्पादों के प्रसंस्करण और संरक्षण से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका प्रो. सुधीर सिंह ने विस्तारपूर्वक समाधान किया।



विशेष व्याख्यान को सम्बोधित करते प्रो. सुधीर सिंह

जौनपुर धारा

मुख्यमंत्री से पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति ने की शिष्टाचार भेंट



जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.राकेश कुमार सिंह ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान कुलपति ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों और विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर मुख्यमंत्री से चर्चा की।

कुलपति ने मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, अब तक की उपलब्धियों तथा आगामी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की ओर से किए जा रहे कार्यों और भविष्य की दिशा से भी अवगत कराया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वविद्यालय की प्रगति की जानकारी लेते हुए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं। भेंट के दौरान विश्वविद्यालय से जुड़े शैक्षणिक एवं विकासात्मक विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से इस मुलाकात को शैक्षणिक एवं विकासात्मक गतिविधियों के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया गया है।

जौनपुर धारा

साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में तकनीकी दक्षता विकसित करें विद्यार्थी : प्रो. राकेश कुमार सिंह

जौनपुर धारा,जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 'सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा और सुरक्षित एप्लीकेशन तैयार करने की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला में देश के साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर ने तकनीकी सत्र में विद्यार्थियों को सुरक्षित सॉफ्टवेयर निर्माण के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। कुलपति प्रो.राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि साइबर सुरक्षा और सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट तेजी से उभरते तकनीकी क्षेत्र हैं, जिनमें रोजगार की संभावनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से तकनीकी कौशल विकसित करने और व्यावहारिक ज्ञान हासिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की रुचि और सहभागिता को देखते हुए विश्वविद्यालय भविष्य में भी प्रायोगिक एवं इंडस्ट्री ओरिएंटेड कार्यशालाओं का आयोजन करेगा। तकनीकी सत्र में डॉ. अनूप गिरधर ने प्रोग्रामिंग की मूलभूत अवधारणाओं से लेकर सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट की प्रक्रिया को व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट आर्किटेक्चर के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए बताया कि एप्लीकेशन को सुरक्षित और मजबूत बनाने के लिए किन सुरक्षा मानकों का ध्यान रखना जरूरी है। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग भी दी गई। लाइव प्रोग्रामिंग के माध्यम से वर्चुअल मशीन सेटअप करने और कोड में आवश्यक सुरक्षा मानकों को लागू करने का अभ्यास कराया गया। विद्यार्थियों ने स्वयं तकनीकी गतिविधियों में हिस्सा लेकर सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियां समझीं। कार्यशाला में 90 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। आयोजन इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. राजकुमार, डॉ. दिव्येंदु मिश्र और प्रियंका जायसवाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

जौनपुर धारा

राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे पीयू के छात्र

7 अक्टूबर को लखनऊ में होगी प्रतियोगिता, विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में तीन प्रतिभागियों का हुआ चयन

जौनपुर धारा

जौनपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में चयनित तीन प्रतिभागी अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 7 अक्टूबर को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के केंद्रीय पुस्तकालय स्थित सभागार में होगा।

विश्वविद्यालय में एक अक्टूबर को 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय परिसर के छात्र अभिनव कीर्ति पांडेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय, केराकत की छात्रा राधा गिरी द्वितीय तथा डॉ. राम मनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय, मुड़ीतागंज के छात्र मनीष तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में चयनित तीनों प्रतिभागी राज्य स्तर पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। विश्वविद्यालय की ओर से शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में डॉ. शशिकांत यादव और डॉ. उदयभान यादव भी प्रतियोगिता में उपस्थित रहेंगे।

विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी गईं। कुलपति ने प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए बधाई दी। इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. अजय प्रताप सिंह, कुलसचिव और वित्त अधिकारी ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

जौनपुर धारा

विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं व्यावहारिक शिक्षा दें : कुलपति

● विज्ञान संकाय की प्रगति की समीक्षा, उद्योगों से एमओयू और 10 वर्ष की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में शैक्षणिक, शोध एवं औद्योगिक विकास को लेकर बैठक आयोजित की गई। इसमें कुलपति प्रो.राकेश कुमार सिंह ने संकाय के विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए भविष्य की कार्ययोजना को लेकर दिशा-निर्देश दिए।

बैठक की शुरुआत में विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो.प्रदीप कुमार ने कुलपति का स्वागत किया और संकाय एवं विभिन्न विभागों की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। उन्होंने विभागों में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, शोध कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी दी। कुलपति ने विभागों को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षण और शोध के साथ विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं व्यावहारिक शिक्षा उपलब्ध कराना जरूरी है। इसके लिए विभाग उद्योग जगत के साथ समन्वय स्थापित करें और विद्यार्थियों को औद्योगिक गतिविधियों से जोड़ें। उन्होंने बोर्ड ऑफ स्टडीज में उद्योग जगत के विशेषज्ञों को शामिल करने तथा औद्योगिक



संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) करने के निर्देश दिए। कुलपति ने प्रत्येक विभाग को अगले 10 वर्षों में होने वाले विकास को ध्यान में रखते हुए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा। साथ ही वर्ष 2047 तक विश्वविद्यालय के विकास के लिए दीर्घकालिक योजना तैयार करने पर भी जोर दिया। बैठक में शोध परियोजनाओं और पेटेंट की संख्या बढ़ाने तथा विद्यार्थियों को नई तकनीकों से परिचित कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने विभागों से औद्योगिक भ्रमण आयोजित करने को कहा, ताकि विद्यार्थियों को कक्षा में मिलने वाली शिक्षा के साथ उद्योगों की कार्यप्रणाली का व्यावहारिक अनुभव भी मिल सके।

कुलपति ने कहा कि विज्ञान संकाय को उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए शिक्षण, शोध, नवाचार, उद्योग-अकादमिक सहयोग और आत्मनिर्भरता पर एक साथ काम करना होगा। उन्होंने विभागों को उपलब्धियों के साथ भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए ठोस और परिणामपरक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रो. रामनारायण, प्रो. राजेश शर्मा, डॉ. मनीष गुप्ता, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. गिरधर मिश्र, डॉ. विवेक पाण्डेय, डॉ. ऋषि श्रीवास्तव, डॉ. राधिका, डॉ. अमित गुप्त, डॉ. विपिन कुमार और डॉ. एसपी तिवारी सहित विज्ञान संकाय के शिक्षक उपस्थित रहे।

जौनपुर धारा

दूध से पनीर तक संरक्षण की वैज्ञानिक तकनीक जरूरी : प्रो.सुधीर सिंह

दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों के संरक्षण पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विशेष व्याख्यान

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों के लिए 'दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों के संरक्षण' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के पूर्व वैज्ञानिक प्रो. सुधीर सिंह ने दुग्ध उत्पादों के संरक्षण की वैज्ञानिक और व्यावहारिक तकनीकों की जानकारी दी।



प्रो. सुधीर सिंह ने कहा कि दूध अत्यधिक शीघ्र खराब होने वाला खाद्य पदार्थ है। इसलिए इसकी गुणवत्ता, पोषणात्मक मूल्य और खाद्य सुरक्षा बनाए रखने के लिए वैज्ञानिक संरक्षण तकनीकों को अपनाना जरूरी है। उन्होंने दूध और पनीर सहित विभिन्न दुग्ध उत्पादों के प्रसंस्करण में स्वच्छता, ताप उपचार, शीत भंडारण और प्रभावी पैकेजिंग की भूमिका समझाई।

उन्होंने विशेष रूप से पनीर के संरक्षण के लिए नमी नियंत्रण, स्वच्छता, पैकेजिंग और उचित तापमान पर भंडारण के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं बटर के संरक्षण में तापमान नियंत्रण, उपयुक्त पैकेजिंग और ऑक्सीकरण से बचाव को महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने क्रीम, मिल्क पाउडर और अन्य दुग्ध उत्पादों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकों की भी जानकारी विद्यार्थियों को दी। प्रो. सिंह ने कहा कि वैज्ञानिक संरक्षण तकनीकों से खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ दुग्ध उत्पादों का मूल्यवर्धन और उनके व्यावसायिक उपयोग की संभावनाएं भी बढ़ती हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को संरक्षण की विभिन्न प्रक्रियाओं को व्यावहारिक दृष्टि से समझने पर जोर दिया। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने दूध, पनीर, बटर और अन्य दुग्ध उत्पादों के प्रसंस्करण एवं संरक्षण से संबंधित सवाल पूछे। प्रो. सुधीर सिंह ने उनके प्रश्नों का विस्तार से उत्तर दिया। कार्यक्रम के अंत में संकायाध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने प्रो. सुधीर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का आयोजन कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर किया गया।

उत्तर शक्ति

मुख्यमंत्री से कुलपति प्रो.राकेश कुमार सिंह ने की शिष्टाचार भेंट

विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों एवं भावी योजनाओं से मुख्यमंत्री को कराया अवगत

लखनऊ/जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की।



इस दौरान कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय से जुड़े विभिन्न शैक्षणिक एवं विकासात्मक विषयों की जानकारी दी। उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, उपलब्धियों तथा भविष्य की योजनाओं से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वविद्यालय की प्रगति तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे गुणवत्तापूर्ण कार्यों के लिए कुलपति को शुभकामनाएं दीं।

उत्तर शक्ति

राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे पीयू के प्रतिभागी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 1 अक्टूबर 2026 को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर विश्वविद्यालय स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय परिसर के छात्र अभिनव कीर्ति पांडेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय, केराकत (जौनपुर) की छात्रा राधा गिरी ने द्वितीय स्थान और डॉ. राम मनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय, मुड़ीतागंज (जौनपुर) के छात्र मनीष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

लखनऊ में आयोजित होगी राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता

विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागी 7 अक्टूबर 2026 को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के केंद्रीय पुस्तकालय स्थित सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की ओर से शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में डॉ. शशिकांत यादव एवं डॉ.उदयभान यादव भी उपस्थित रहेंगे।

कुलपति ने छात्रों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया । इस अवसर पर प्रो प्रमोद कुमार यादव, प्रो. अजय प्रताप सिंह, कुलसचिव, वित्त अधिकारी विश्वविद्यालय ने भी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें अपनी शुभकामनाएं प्रेषित किया।

उम्मीदा पब्लिक

हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

जौनपुर (उ.प्र.) से प्रकाशित

वर्ष 01, अंक 299
जौनपुर, बुधवार
07 अक्टूबर, 2026
पृष्ठ 4, मूल्य 1 रूपया

उम्मीद ऑफ पब्लिक

www.ummidofpublic.com

PRGI Reg. No.: UPHIN/25/A4413



पेज : 2 दुनियाँ युद्ध के मुहाने पर, भारत विकास की उड़ान पर!

आंधी ने किसानों की उम्मीदों पर फेरा पानी... पेज : 3

साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में तकनीकी दक्षता विकसित करें विद्यार्थी: कुलपति

सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियां पर हुई चर्चा

उम्मीद ऑफ पब्लिक ब्यूरो

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 'सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यशाला में मुख्य विषय विशेषज्ञ के रूप में देश के प्रख्यात साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर ने विद्यार्थियों को सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट के विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में साइबर सुरक्षा और सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के क्षेत्र में भविष्य की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की रुचि और सहभागिता इसी प्रकार बनी रही तो विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में और भी अधिक प्रायोगिक एवं इंडस्ट्री ओरिएंटेड कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा के साथ व्यावहारिक तकनीकी ज्ञान प्राप्त हो सके।

तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर ने विद्यार्थियों को प्रोग्रामिंग की मूलभूत अवधारणाओं से लेकर



सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के तकनीकी पक्ष को सरल एवं व्यावहारिक तरीके से समझाया। उन्होंने सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट आर्किटेक्चर के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि सुरक्षित और मजबूत एप्लीकेशन के निर्माण में किन सुरक्षा मानकों का ध्यान रखना आवश्यक है।

सत्र की प्रमुख कड़ी हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग रही। डॉ. गिरधर ने विद्यार्थियों को लाइव प्रोग्रामिंग के माध्यम से वर्चुअल मशीन सेटअप करने तथा कोड में आवश्यक सुरक्षा मानकों को लागू करने का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्वयं तकनीकी गतिविधियों में भाग लेते हुए सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियों को समझा।

कार्यशाला में 90 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का आयोजन इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. राजकुमार, डॉ. दिव्येंदु मिश्र, प्रियंका जायसवाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

NIP

Provide Employment-Oriented Education to Students: Vice-Chancellor

Jaunpur: An important meeting on academic, research and industrial development was held in the Faculty of Science operating from the Faculty Building. Vice-Chancellor Prof Rakesh Kumar Singh reviewed the progress of various departments of the Faculty of Science and their future action plans.

At the beginning of the programme, Dean of the Faculty of Science Prof Pradeep Kumar welcomed the Vice-Chancellor and presented a progress report on the faculty and its various departments. He highlighted the academic activities, research work and achievements of the departments. On the occasion, Vice-Chancellor Prof Rakesh Kumar Singh issued necessary guidelines for making the various departments self-reliant. He said that along with teaching and research, departments should focus on establishing coordination with industries to provide students with employment-oriented and practical education. The Vice-Chancellor emphasised the inclusion of industry experts in the Boards of Studies and the signing of Memorandums of Understanding (MoUs) with industrial institutions.



He directed each department to prepare a detailed action plan for its continuous growth and development over the next 10 years. He also called for the preparation of a long-term plan for the overall progress and development of the university by 2047. The Vice-Chancellor directed the departments of the Faculty of Science to promote research, undertake more research projects, develop patents and organise industrial visits to expose students to new technologies and industrial activities. He said that special emphasis must be placed on teaching, research, innovation, industry-academia collaboration and self-reliance to take the Faculty of Science towards excellence. Each department should prepare a concrete and result-oriented action plan, keeping in view both its achievements and future potential. The meeting was attended by Prof Ramnarayan, Prof Rajesh Sharma, Dr Manish Gupta, Prof Pramod Yadav, Prof Girdhar Mishra, Dr Vivek Pandey, Dr Rishi Srivastava, Dr Radhika, Dr Amit Gupta, Dr Vipin Kumar and Dr S.P. Tiwari, along with other faculty members of the Faculty of Science.

Vice-Chancellor Pays Courtesy Visit to Chief Minister Yogi Adityanath

Lucknow/Jaunpur: Vice-Chancellor of Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur, Prof. Rakesh Kumar Singh, paid a courtesy visit to Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath in Lucknow.



During the meeting, Prof. Rakesh Kumar Singh briefed the Chief Minister on various academic and developmental matters related to the university. He also apprised him of the university's academic activities, achievements and future plans.

Chief Minister Yogi Adityanath congratulated the Vice-Chancellor on the university's progress and appreciated its efforts towards maintaining quality in the field of higher education.

पहल टुडे

साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में तकनीकी दक्षता विकसित करें विद्यार्थी : प्रो. राकेश कुमार सिंह

पहल टुडे

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट विषय पर आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यशाला में मुख्य विषय विशेषज्ञ के रूप में देश के प्रख्यात साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर ने विद्यार्थियों को सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट के विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में साइबर सुरक्षा और सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के क्षेत्र में भविष्य की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की रुचि और सहभागिता इसी प्रकार बनी रही तो विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में और भी अधिक प्रायोगिक एवं इंडस्ट्री ओरिएंटेड कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा के साथ व्यावहारिक तकनीकी ज्ञान प्राप्त हो सके। तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर ने विद्यार्थियों को प्रोग्रामिंग की मूलभूत अवधारणाओं से लेकर सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के तकनीकी पक्ष को सरल एवं व्यावहारिक तरीके से समझाया। उन्होंने सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट आर्किटेक्चर के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि सुरक्षित और मजबूत एप्लीकेशन के निर्माण में किन सुरक्षा मानकों का ध्यान रखना आवश्यक है।

सत्र की प्रमुख कड़ी हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग रही। डॉ. गिरधर ने विद्यार्थियों को लाइव प्रोग्रामिंग के माध्यम से वर्चुअल मशीन सेटअप करने तथा कोड में आवश्यक सुरक्षा मानकों को लागू करने का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्वयं तकनीकी गतिविधियों में भाग लेते हुए सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियों को समझा।

कार्यशाला में 90 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का आयोजन इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. राजकुमार, , डॉ. दिव्येंदु मिश्र, प्रियंका जायसवाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

पहल टुडे

दूध से पनीर तक संरक्षण की वैज्ञानिक तकनीक जरूरी : प्रो. सुधीर सिंह

दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों के संरक्षण पर विशेष व्याख्यान आयोजित

पहल टुडे



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में संचालित फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों के संरक्षण विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के पूर्व वैज्ञानिक प्रो. सुधीर सिंह ने विद्यार्थियों को दुग्ध एवं विभिन्न दुग्ध उत्पादों के संरक्षण की वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मानव द्वारा दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों का बड़ी मात्रा में सेवन किया जाता है। ऐसे में इनकी गुणवत्ता, पोषणात्मक मूल्य और खाद्य सुरक्षा बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। दूध, पनीर के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाना जरूरी है।

प्रो. सुधीर सिंह ने कहा कि दुग्ध अत्यधिक शीघ्र खराब होने वाला खाद्य पदार्थ है। इसकी गुणवत्ता, पोषणात्मक मूल्य एवं सुरक्षित शेल्फ लाइफ बनाए रखने के लिए उचित प्रसंस्करण, ताप उपचार, शीत भंडारण, स्वच्छता और प्रभावी पैकेजिंग अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विशेष रूप से दूध, पनीर और बटर के संरक्षण की तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की। पनीर के संदर्भ में उन्होंने इसके निर्माण, नमी नियंत्रण, स्वच्छता, पैकेजिंग, शीत भंडारण तथा गुणवत्ता बनाए रखने के उपायों की जानकारी दी।

वहीं बटर के संरक्षण में तापमान नियंत्रण, उचित पैकेजिंग, ऑक्सीकरण से सुरक्षा तथा भंडारण की उपयुक्त परिस्थितियों के महत्व को समझाया।उन्होंने विद्यार्थियों को बटर, क्रीम, मिल्क पाउडर सहित अन्य दुग्ध उत्पादों के संरक्षण एवं उनकी शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए अपनाई जाने वाली आधुनिक तकनीकों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक संरक्षण तकनीकों का उपयोग न केवल खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि दुग्ध उत्पादों के मूल्यवर्धन और उनके व्यावसायिक उपयोग की संभावनाओं को भी बढ़ाता है।

व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने दूध, पनीर, बटर एवं अन्य दुग्ध उत्पादों के प्रसंस्करण और संरक्षण से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका प्रो. सुधीर सिंह ने विस्तारपूर्वक समाधान किया। कार्यक्रम के अंत में संकायाध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने प्रो. सुधीर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

पहल टुडे

मुख्यमंत्री से कुलपति ने की शिष्टाचार भेंट

पहल टुडे



लखनऊ/ जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री जी को विश्वविद्यालय से जुड़े विभिन्न शैक्षणिक एवं विकासात्मक विषयों के बारे में बताया। उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, उपलब्धियों तथा भविष्य की योजनाओं की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री जी ने विश्वविद्यालय की प्रगति एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं।

विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा दें- कुलपति

विज्ञान संकाय की प्रगति को लेकर दिए दिशा-निर्देश

पहल टुडे



जौनपुर। संकाय भवन में संचालित विज्ञान संकाय में शैक्षणिक, शोध एवं औद्योगिक विकास को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने विज्ञान संकाय के विभिन्न विभागों की प्रगति एवं भविष्य की कार्ययोजना की समीक्षा की। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रोफेसर प्रदीप कुमार ने कुलपति का स्वागत किया तथा विज्ञान संकाय एवं विभिन्न विभागों की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। उन्होंने विभागों में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, शोध कार्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने विभिन्न विभागों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागों को शिक्षण एवं शोध के साथ-साथ उद्योगों से समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं व्यावहारिक शिक्षा उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। कुलपति ने बोर्ड ऑफ स्टडीज में उद्योग जगत के विशेषज्ञों को शामिल करने तथा औद्योगिक संस्थानों के साथ एमओयू करने पर जोर दिया। उन्होंने प्रत्येक विभाग को आगामी 10 वर्षों में विभाग की उत्तरोत्तर वृद्धि एवं विकास के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही वर्ष 2047 तक पूरे विश्वविद्यालय की प्रगति एवं विकास के लिए दीर्घकालिक योजना तैयार करने की बात कही। कुलपति ने विज्ञान संकाय के विभागों को शोध कार्यों को बढ़ावा देने, अधिक से अधिक शोध परियोजनाएं एवं पेटेंट विकसित करने तथा विद्यार्थियों को नई तकनीकों एवं औद्योगिक गतिविधियों से जोड़ने के लिए औद्योगिक भ्रमण आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान संकाय को उत्कृष्टता की ओर ले जाने के लिए शिक्षण, शोध, नवाचार, उद्योग-अकादमिक सहयोग और आत्मनिर्भरता पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। प्रत्येक विभाग अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए ठोस एवं परिणामपरक कार्ययोजना तैयार करे। बैठक में प्रो. रामनारायण, प्रोफेसर राजेश शर्मा, डॉ. मनीष गुप्ता, प्रोफेसर प्रमोद यादव, प्रोफेसर गिरधर मिश्र, डॉ. विवेक पाण्डेय, डॉ. ऋषि श्रीवास्तव, डॉ. राधिका, डॉ. अमित गुप्त, डॉ. विपिन कुमार एवं डॉ. एस.पी. तिवारी सहित विज्ञान संकाय के शिक्षक उपस्थित रहे।

अमृत प्रभात



मुख्यमंत्री से मिले पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति

अमृत प्रभात, जौनपुर (नि.सं.)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान कुलपति ने मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों, हालिया उपलब्धियों और भविष्य की विकासात्मक योजनाओं के संबंध में विस्तार से अवगत कराया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वविद्यालय की प्रगति की सराहना करते हुए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्यों एवं निरंतर विकास के लिए कुलपति व विश्वविद्यालय परिवार को अपनी शुभकामनाएं दीं।

वॉइस ऑफ़ लखनऊ

साइबर सुरक्षा तकनीकी दक्षता विकसित करें विद्यार्थी

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट विषय पर आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यशाला में मुख्य विषय विशेषज्ञ के रूप में देश के प्रख्यात साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर ने विद्यार्थियों को सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट के विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में साइबर सुरक्षा और सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के क्षेत्र में भविष्य की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की रुचि और सहभागिता इसी प्रकार बनी रही तो विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में और भी अधिक प्रायोगिक एवं इंडस्ट्री ओरिएंटेड कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा के साथ व्यावहारिक तकनीकी ज्ञान प्राप्त हो सके। सत्र की प्रमुख कड़ी हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग रही। डॉ. गिरधर ने विद्यार्थियों को लाइव प्रोग्रामिंग के माध्यम से वर्चुअल मशीन सेटअप करने तथा कोड में आवश्यक सुरक्षा मानकों को लागू करने का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्वयं तकनीकी गतिविधियों में भाग लेते हुए सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियों को समझा।

लोक भारती

साइबर सुरक्षा तकनीकी दक्षता विकसित करें विद्यार्थी

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 'सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यशाला में मुख्य विषय विशेषज्ञ के रूप में देश के प्रख्यात साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर ने विद्यार्थियों को सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट के विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में साइबर सुरक्षा और सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के क्षेत्र में भविष्य की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की रुचि और सहभागिता इसी प्रकार बनी रही तो विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में और भी अधिक प्रायोगिक एवं इंडस्ट्री ओरिएंटेड कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा के साथ व्यावहारिक तकनीकी ज्ञान प्राप्त हो सके।

सत्र की प्रमुख कड़ी हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग रही। डॉ. गिरधर ने विद्यार्थियों को लाइव प्रोग्रामिंग के माध्यम से वर्चुअल मशीन सेटअप करने तथा कोड में आवश्यक सुरक्षा मानकों को लागू करने का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्वयं तकनीकी गतिविधियों में भाग लेते हुए सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियों को समझा।

रेलवे ट्रैक पर घायल पड़ा था युवक

जौनपुर। सिंगरामऊ थाना के हरपालगंज स्टेशन के पास मंगलवार को रेलवे ट्रैक पर घायल अवस्था में 30 वर्षीय अज्ञात युवक पाया गया है। युवक को घायल अवस्था में पड़ा हुआ देखकर लोगों की भीड़ उसे देखने के लिए उमड़ पड़ी। आशंका जताई जा रही है कि चलती ट्रेन से गिरकर युवक घायल हो गया है। वायरल विडियों में युवक सफेद पैंट और सफेद शर्ट पहने हुए है। हालांकि युवक के घायल होने का सही कारण अभी पता नहीं चल सका है। रेलवे ट्रेक पर घायल युवक के मिलने की सूचना रेलवे कर्मियों ने पुलिस को दे दी। फिल्हाल घायल युवक को डायल 108 एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

जलसंदेश टाइम्स

संक्षेप

मुख्यमंत्री से कुलपति ने की शिष्टाचार भेंट



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय से जुड़े विभिन्न शैक्षणिक एवं विकासात्मक विषयों के बारे में बताया। उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, उपलब्धियों तथा भविष्य की योजनाओं की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय की प्रगति एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं।

जल संदेश टाइम्स

राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे पीयू के प्रतिभागी

जौनपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 1 अक्टूबर को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मेरे सपनों का भारत विषय पर विश्वविद्यालय स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय परिसर के छात्र अभिनव कीर्ति पांडेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय, केराकत की छात्रा राधा गिरी ने द्वितीय स्थान और डॉ. राम मनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय, मुड़ीतागंज (जौनपुर) के छात्र मनीष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागी 7 अक्टूबर को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के केंद्रीय पुस्तकालय स्थित सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की ओर से शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में डॉ. शशिकांत यादव एवं डॉ. उदयभान यादव भी उपस्थित रहेंगे।

जलसंधि डिस्टेंस

साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में तकनीकी दक्षता विकसित करें विद्यार्थी : प्रो. राकेश कुमार सिंह

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट विषय पर आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यशाला में मुख्य विषय विशेषज्ञ के रूप में देश के प्रख्यात साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर ने विद्यार्थियों को सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट के विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में साइबर सुरक्षा और सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के क्षेत्र में भविष्य की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की रुचि और सहभागिता इसी प्रकार बनी रही



कार्यशाला को सम्बोधित करते कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह

तो विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में और भी अधिक प्रायोगिक एवं इंडस्ट्री ओरिएंटेड कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा के साथ व्यावहारिक तकनीकी ज्ञान प्राप्त हो सके। तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर ने विद्यार्थियों को प्रोग्रामिंग की मूलभूत अवधारणाओं से लेकर सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के तकनीकी पक्ष को सरल एवं व्यावहारिक तरीके से समझाया। उन्होंने सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट आर्किटेक्चर के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि सुरक्षित और मजबूत एप्लीकेशन के निर्माण में किन सुरक्षा मानकों का ध्यान रखना आवश्यक है। सत्र की प्रमुख कड़ी हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग रही। डॉ. गिरधर ने विद्यार्थियों को लाइव प्रोग्रामिंग के माध्यम से वर्चुअल मशीन सेटअप करने तथा कोड में आवश्यक सुरक्षा मानकों को लागू करने का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्वयं तकनीकी गतिविधियों में भाग लेते हुए सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियों को समझा। कार्यशाला में 90 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का आयोजन इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. राजकुमार, डॉ. दिव्येंदु मिश्र, प्रियंका जायसवाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

उत्तर शक्ति

साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में तकनीकी दक्षता विकसित करें विद्यार्थीः प्रो.राकेश कुमार सिंह

◆ सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियां पर हुई चर्चा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 'सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यशाला में मुख्य विषय विशेषज्ञ के रूप में देश के प्रख्यात साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर ने विद्यार्थियों को सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट के विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में साइबर सुरक्षा और सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के क्षेत्र में भविष्य की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की रुचि और सहभागिता इसी प्रकार बनी रही तो विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में और भी अधिक प्रायोगिक एवं इंडस्ट्री ओरिएंटेड कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे



विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा के साथ व्यावहारिक तकनीकी ज्ञान प्राप्त हो सके।

तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर ने विद्यार्थियों को प्रोग्रामिंग की मूलभूत अवधारणाओं से लेकर सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के तकनीकी पक्ष को सरल एवं व्यावहारिक तरीके से समझाया। उन्होंने सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट आर्किटेक्चर के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि सुरक्षित और मजबूत एप्लीकेशन के निर्माण में किन सुरक्षा मानकों का ध्यान रखना आवश्यक है।

सत्र की प्रमुख कड़ी हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग रही। डॉ. गिरधर ने विद्यार्थियों को लाइव प्रोग्रामिंग के माध्यम से वर्चुअल मशीन सेटअप करने तथा कोड में आवश्यक सुरक्षा मानकों को लागू करने का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्वयं तकनीकी गतिविधियों में भाग लेते हुए सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियों को समझा।

कार्यशाला में 90 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का आयोजन इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. राजकुमार, , डॉ. दिव्येंदु मिश्र, प्रियंका जायसवाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

उत्तर शक्ति

दूध से पनीर तक संरक्षण की वैज्ञानिक तकनीक जरूरीः प्रो.सुधीर सिंह

दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों के संरक्षण पर विशेष व्याख्यान आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में संचालित फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर 'दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों के संरक्षण' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के पूर्व वैज्ञानिक प्रो. सुधीर सिंह ने विद्यार्थियों को दुग्ध एवं विभिन्न दुग्ध उत्पादों के संरक्षण की वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मानव द्वारा दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों का बड़ी मात्रा में सेवन किया जाता है। ऐसे में इनकी गुणवत्ता, पोषणात्मक मूल्य और खाद्य सुरक्षा बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। दूध, पनीर के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाना जरूरी है।

प्रो. सुधीर सिंह ने कहा कि दुग्ध अत्यधिक शीघ्र खराब होने वाला खाद्य पदार्थ है। इसकी गुणवत्ता, पोषणात्मक मूल्य एवं सुरक्षित शेल्फ लाइफ बनाए रखने के लिए उचित प्रसंस्करण, ताप उपचार, शीत भंडारण, स्वच्छता और प्रभावी



पैकेजिंग अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।उन्होंने विशेष रूप से दूध, पनीर और बटर के संरक्षण की तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की। पनीर के संदर्भ में उन्होंने इसके निर्माण, नमी नियंत्रण, स्वच्छता, पैकेजिंग, शीत भंडारण तथा गुणवत्ता बनाए रखने के उपायों की जानकारी दी। वहीं बटर के संरक्षण में तापमान नियंत्रण, उचित पैकेजिंग, ऑक्सीकरण से सुरक्षा तथा भंडारण की उपयुक्त परिस्थितियों के महत्व को समझाया।उन्होंने विद्यार्थियों को बटर, क्रीम, मिल्क पाउडर सहित अन्य दुग्ध उत्पादों के संरक्षण एवं उनकी शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए अपनाई जाने वाली आधुनिक तकनीकों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक संरक्षण तकनीकों का उपयोग न केवल खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि दुग्ध उत्पादों के मूल्यवर्धन और उनके व्यावसायिक उपयोग की संभावनाओं को भी बढ़ाता है।

व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने दूध, पनीर, बटर एवं अन्य दुग्ध उत्पादों के प्रसंस्करण और संरक्षण से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका प्रो. सुधीर सिंह ने विस्तारपूर्वक समाधान किया।कार्यक्रम के अंत में संकायाध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने प्रो. सुधीर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

तेजस टुडे

साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में तकनीकी दक्षता विकसित करें विद्यार्थी: कुलपति

सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियां पर हुई चर्चा

चर्चा

तेजस टूडे ब्यूरो
शुभांशू जायसवाल



जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ह्यसिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंटह्ल विषय पर आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यशाला में मुख्य विषय विशेषज्ञ के रूप में देश के प्रख्यात साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ। अनूप गिरधर ने विद्यार्थियों को सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट के विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो। राकेश सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में साइबर सुरक्षा और सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के क्षेत्र में भविष्य की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की रुचि और सहभागिता इसी प्रकार बनी रही तो विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में और भी अधिक प्रायोगिक एवं इंडस्ट्री ओरिएंटेड कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा के साथ व्यावहारिक तकनीकी ज्ञान प्राप्त हो सके।

तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ डॉ। अनूप गिरधर ने विद्यार्थियों को प्रोग्रामिंग की मूलभूत अवधारणाओं से लेकर सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के तकनीकी पक्ष को सरल एवं व्यावहारिक तरीके से समझाया। उन्होंने सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट आर्किटेक्चर के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि सुरक्षित और मजबूत एप्लीकेशन के निर्माण में किन सुरक्षा मानकों का ध्यान रखना आवश्यक है।

सत्र की प्रमुख कड़ी हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग रही। डॉ। गिरधर ने विद्यार्थियों को लाइव प्रोग्रामिंग के माध्यम से वर्चुअल मशीन सेटअप करने तथा कोड में आवश्यक सुरक्षा मानकों को लागू करने का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्वयं तकनीकी गतिविधियों में भाग लेते हुए सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियों को समझा।

कार्यशाला में 90 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का आयोजन इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो। सौरभ पाल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रो। अशोक श्रीवास्तव, प्रो। गिरिधर मिश्र, प्रो। राजकुमार, डॉ। दिव्येंदु मिश्र, प्रियंका जायसवाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

उत्तरशक्ति

विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा दें: कुलपति

विज्ञान संकाय की प्रगति को लेकर दिए दिशा-निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संकाय भवन में संचालित विज्ञान संकाय में शैक्षणिक, शोध एवं औद्योगिक विकास को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने विज्ञान संकाय के विभिन्न विभागों की प्रगति एवं भविष्य की कार्ययोजना की समीक्षा की।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रोफेसर प्रदीप कुमार ने कुलपति का स्वागत किया तथा विज्ञान संकाय एवं विभिन्न विभागों की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। उन्होंने विभागों में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, शोध कार्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने विभिन्न विभागों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागों को शिक्षण एवं शोध के साथ-साथ उद्योगों से समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं व्यावहारिक शिक्षा उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

कुलपति ने बोर्ड ऑफ स्टडीज में उद्योग जगत के विशेषज्ञों को शामिल करने तथा औद्योगिक संस्थानों के साथ एमओयू करने पर जोर दिया।

उन्होंने प्रत्येक विभाग को आगामी 10 वर्षों में विभाग की उत्तरोत्तर वृद्धि एवं विकास के लिए



विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही वर्ष 2047 तक पूरे विश्वविद्यालय की प्रगति एवं विकास के लिए दीर्घकालिक योजना तैयार करने की बात कही।

कुलपति ने विज्ञान संकाय के विभागों को शोध कार्यों को बढ़ावा देने, अधिक से अधिक शोध परियोजनाएं एवं पेटेंट विकसित करने तथा विद्यार्थियों को नई तकनीकों एवं औद्योगिक गतिविधियों से जोड़ने के लिए औद्योगिक भ्रमण आयोजित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि विज्ञान संकाय को उत्कृष्टता की ओर ले जाने के लिए शिक्षण, शोध, नवाचार, उद्योग-अकादमिक सहयोग और आत्मनिर्भरता पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। प्रत्येक विभाग अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए ठोस एवं परिणामपरक कार्ययोजना तैयार करे।

बैठक में प्रो. रामनारायण, प्रोफेसर राजेश शर्मा, डॉ. मनीष गुप्ता, प्रोफेसर प्रमोद यादव, प्रोफेसर गिरधर मिश्र, डॉ. विवेक पाण्डेय, डॉ. ऋषि श्रीवास्तव, डॉ. राधिका, डॉ. अमित गुप्त, डॉ. विपिन कुमार एवं डॉ. एस.पी. तिवारी सहित विज्ञान संकाय के शिक्षक उपस्थित रहे।

अमर भारती

विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा दें: कुलपति

विज्ञान संकाय की प्रगति को लेकर दिए दिशा-निर्देश

अमर भारती ब्यूरो

जौनपुर। संकाय भवन में संचालित विज्ञान संकाय में शैक्षणिक, शोध एवं औद्योगिक विकास को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने विज्ञान संकाय के विभिन्न विभागों की प्रगति एवं भविष्य की कार्ययोजना की समीक्षा की।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रोफेसर प्रदीप कुमार ने कुलपति का स्वागत किया तथा विज्ञान संकाय एवं विभिन्न विभागों की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। उन्होंने विभागों में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, शोध कार्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी।इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने विभिन्न विभागों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागों



को शिक्षण एवं शोध के साथ-साथ उद्योगों से समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं व्यावहारिक शिक्षा उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

कुलपति ने बोर्ड ऑफ स्टडीज में उद्योग जगत के विशेषज्ञों को शामिल करने तथा औद्योगिक संस्थानों के साथ एमओयू करने पर जोर दिया।

उन्होंने प्रत्येक विभाग को आगामी 10 वर्षों में विभाग की उत्तरोत्तर वृद्धि एवं विकास के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही वर्ष 2047 तक पूरे विश्वविद्यालय की प्रगति एवं विकास के लिए दीर्घकालिक योजना तैयार करने की बात कही।

कुलपति ने विज्ञान संकाय के विभागों को शोध कार्यों को बढ़ावा देने, अधिक से अधिक शोध परियोजनाएं एवं पेटेंट विकसित करने तथा विद्यार्थियों को नई तकनीकों एवं औद्योगिक गतिविधियों से जोड़ने के लिए औद्योगिक भ्रमण आयोजित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि विज्ञान संकाय को उत्कृष्टता की ओर ले जाने के लिए शिक्षण, शोध, नवाचार, उद्योग-अकादमिक सहयोग और आत्मनिर्भरता पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। प्रत्येक विभाग अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए ठोस एवं परिणामपरक कार्ययोजना तैयार करे। बैठक में प्रो. रामनारायण, प्रोफेसर राजेश शर्मा, डॉ. मनीष गुप्ता, प्रोफेसर प्रमोद यादव, प्रोफेसर गिरधर मिश्र, डॉ. विवेक पाण्डेय, डॉ. ऋषि श्रीवास्तव, डॉ. राधिका, डॉ. अमित गुप्त, डॉ. विपिन कुमार एवं डॉ. एस.पी. तिवारी सहित विज्ञान संकाय के शिक्षक उपस्थित रहे।

रणतुर्य

राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे पीयू के प्रतिभागी

रणतूर्य संवाददाता
जौनपुर

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 1 अक्टूबर 2026 को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर विश्वविद्यालय स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय परिसर के छात्र अभिनव कीर्ति पांडेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय, केराकत (जौनपुर) की छात्रा राधा गिरी ने द्वितीय स्थान और डॉ. राम मनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय, मुड़ीतागंज (जौनपुर) के छात्र मनीष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।विश्वविद्यालय स्तरीय



प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागी 7 अक्टूबर 2026 को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के केंद्रीय पुस्तकालय स्थित सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की ओर से शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में डॉ. शशिकांत यादव एवं डॉ. उदयभान यादव भी उपस्थित रहेंगे। कुलपति ने छात्रों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया । इस अवसर पर प्रो प्रमोद कुमार यादव, प्रो. अजय प्रताप सिंह, कुलसचिव, वित्त अधिकारी विश्वविद्यालय ने भी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें अपनी शुभकामनाएं प्रेषित किया ।

उदय उत्तर

खेल सुविधाओं के लिए पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति ने खेल मंत्री को सौंपा प्रस्ताव

जौनपुर / उदय उत्तर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं विकसित करने के उद्देश्य से मंगलवार को कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव से मुलाकात कर मांगपत्र सौंपा।

खेल मंत्री ने प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए खेल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण में सहयोग का आश्वासन दिया।

कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय परिसर में आधुनिक सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की स्थापना तथा एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट मैदान के उच्चीकरण और नवीनीकरण के लिए वित्तीय एवं विभागीय स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में तीन लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय ने देश को कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं, जिनमें हॉकी खिलाड़ी कोथाजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित राजकुमार पाल और अंतरराष्ट्रीय स्टीपलचेज एथलीट पारुल चौधरी प्रमुख हैं।

कुलपति ने कहा कि मानक स्तर के सिंथेटिक ट्रैक के अभाव में



खिलाड़ियों को आधुनिक अभ्यास में कठिनाई होती है। ट्रैक बनने से नई खेल प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण देने के साथ अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालयीय एथलेटिक प्रतियोगिताओं के आयोजन में भी सुविधा होगी। एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट मैदान के नवीनीकरण में समतलीकरण, जलनिकासी, उच्च गुणवत्ता की पिच, अभ्यास नेट्स और खिलाड़ियों के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित करने का प्रस्ताव है। इससे विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों के बीच उच्चस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं के आयोजन को बढ़ावा मिलेगा। कुलपति ने कहा कि प्रधानमंत्री के संदेश 'जो खेलते हैं, वो खिलते हैं' और 'फिट इंडिया' मिशन को धरातल पर उतारने के लिए आधुनिक खेल सुविधाओं का विकास जरूरी है।

उदय उत्तर

दूध से पनीर तक संरक्षण की वैज्ञानिक तकनीक जरूरी : प्रो. सुधीर सिंह

जौनपुर / उदय उत्तर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में संचालित फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर 'दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों के संरक्षण' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के पूर्व वैज्ञानिक प्रो. सुधीर सिंह ने विद्यार्थियों को दुग्ध एवं विभिन्न दुग्ध उत्पादों के संरक्षण की वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मानव द्वारा दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों का बड़ी मात्रा में सेवन किया जाता है। ऐसे में इनकी गुणवत्ता, पोषणात्मक मूल्य और खाद्य सुरक्षा बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। दूध, पनीर के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक तकनीक का



इस्तेमाल किया जाना जरूरी है।

प्रो. सुधीर सिंह ने कहा कि दुग्ध अत्यधिक शीघ्र खराब होने वाला खाद्य पदार्थ है। इसकी गुणवत्ता, पोषणात्मक मूल्य एवं सुरक्षित शेल्फ लाइफ बनाए रखने के लिए उचित प्रसंस्करण, ताप उपचार, शीत भंडारण, स्वच्छता और प्रभावी पैकेजिंग अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।उन्होंने विशेष रूप से दूध, पनीर और बटर के संरक्षण की तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की। पनीर के संदर्भ में उन्होंने इसके निर्माण, नमी नियंत्रण, स्वच्छता, पैकेजिंग, शीत भंडारण तथा गुणवत्ता बनाए रखने के उपायों की जानकारी दी। वहीं बटर के संरक्षण में तापमान नियंत्रण, उचित पैकेजिंग, ऑक्सीकरण से सुरक्षा तथा भंडारण की उपयुक्त परिस्थितियों के महत्व को समझाया।उन्होंने विद्यार्थियों को बटर, क्रीम, मिल्क पाउडर सहित अन्य दुग्ध उत्पादों के संरक्षण एवं उनकी शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए अपनाई जाने वाली आधुनिक तकनीकों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक संरक्षण तकनीकों का उपयोग न केवल खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि दुग्ध उत्पादों के मूल्यवर्धन और उनके व्यावसायिक उपयोग की संभावनाओं को भी बढ़ाता है।

व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने दूध, पनीर, बटर एवं अन्य दुग्ध उत्पादों के प्रसंस्करण और संरक्षण से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका प्रो. सुधीर सिंह ने विस्तारपूर्वक समाधान किया।कार्यक्रम के अंत में संकायाध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने प्रो. सुधीर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

उदय उत्तर

साइबर सुरक्षा में तकनीकी दक्षता विकसित करें विद्यार्थी : प्रो. राकेश कुमार सिंह

जौनपुर / उदय उत्तर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 'सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन मंगलवार को विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

मुख्य विषय विशेषज्ञ साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर ने विद्यार्थियों को सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट के विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर सुरक्षा और सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के क्षेत्र में भविष्य की अपार संभावनाएं हैं।

विद्यार्थियों को इन क्षेत्रों में तकनीकी दक्षता विकसित करने के साथ व्यावहारिक ज्ञान हासिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की रुचि और सहभागिता बनी रही तो विश्वविद्यालय भविष्य में और अधिक प्रायोगिक एवं इंडस्ट्री ओरिएंटेड कार्यशालाओं का आयोजन करेगा। इससे



विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा के साथ व्यावहारिक तकनीकी ज्ञान भी मिलेगा।

तकनीकी सत्र में डॉ. अनूप गिरधर ने प्रोग्रामिंग की मूलभूत अवधारणाओं से लेकर सिक्योर एप्लीकेशन डेवलपमेंट के तकनीकी पक्षों को सरल एवं व्यावहारिक तरीके से समझाया।

उन्होंने सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट आर्किटेक्चर के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए सुरक्षित और मजबूत एप्लीकेशन के निर्माण में आवश्यक सुरक्षा मानकों की जानकारी दी।

सत्र में हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग के तहत विद्यार्थियों को लाइव प्रोग्रामिंग के माध्यम से वर्चुअल मशीन सेटअप करने और कोड में आवश्यक सुरक्षा मानकों को लागू करने का प्रशिक्षण दिया गया। विद्यार्थियों ने स्वयं तकनीकी गतिविधियों में भाग लेकर सुरक्षित एप्लीकेशन डेवलपमेंट की बारीकियां समझीं।

कार्यशाला में 90 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। आयोजन इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस दौरान प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. राजकुमार, डॉ. दिव्येंदु मिश्र, प्रियंका जायसवाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

स्वतंत्र एकता जागरण

राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे पीयू के प्रतिभागी

लखनऊ में आयोजित होगी राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता

स्वतंत्र एकता जागरण



जौनपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 1 अक्टूबर 2026 को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर विश्वविद्यालय स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय परिसर के छात्र अभिनव कीर्ति पांडेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला महाविद्यालय, केराकत (जौनपुर) की छात्रा राधा गिरी ने द्वितीय स्थान और डॉ. राम मनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय, मुड़ीतागंज (जौनपुर) के छात्र मनीष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागी 7 अक्टूबर 2026 को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के केंद्रीय पुस्तकालय स्थित सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की ओर से शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में डॉ. शशिकांत यादव एवं डॉ. उदयभान यादव भी उपस्थित रहेंगे। कुलपति ने छात्रों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया । इस अवसर पर प्रो प्रमोद कुमार यादव, प्रो. अजय प्रताप सिंह, कुलसचिव, वित्त अधिकारी विश्वविद्यालय ने भी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें अपनी शुभकामनाएं प्रेषित किया ।